अंतर्राष्ट्रीय संबंध

छठी भारत-ओपेक ऊर्जा वार्ता

टैग्स:

- **सामान्य अध्ययन-II**
- **महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान**
- **सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप**
- **सामान्य अध्ययन-III**
- **वृद्धि एवं विकास:**

प्रिलिम्स के लिये:

पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन, OPEC+, नवीकरणीय ऊर्जा

मेन्स के लिये:

भारत के ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ, भारत के ऊर्जा परिवर्तन को आकार देने वाली पहल

चर्चा में क्यों?

भारत और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन **(Organization of the Petroleum Exporting Countries- OPEC)** के बीच **ऊर्जा वार्ता** के तहत छठी उच्च-स्तरीय बैठक 9 नवंबर, 2023 को **ऑस्ट्रिया के वियना में OPEC के सचिवालय** में आयोजित की गई।

- बैठक में तेल और ऊर्जा बाज़ारों के महत्त्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई।

भारत-OPEC ऊर्जा वार्ता की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- बैठक में तेल और ऊर्जा बाज़ारों से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें **उपलब्धता, सामर्थ्य तथा स्थिरता** सुनिश्चित करने पर विशेष ज़ोर दिया गया, जो कि ऊर्जा बाज़ारों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक हैं।
- बैठक दोनों पक्षों द्वारा **OPEC और भारत के बीच बढ़ते सहयोग** को बढ़ावा देने के महत्त्व को रेखांकित करने के साथ संपन्न हुई।
- **वर्ल्ड ऑयल आउटलुक 2023** का अनुमान है कि **भारत** की **अर्थव्यवस्था वर्ष 2022-2045 के बीच 6.1 प्रतिशत** की औसत **दीर्घकालिक वृद्धि के साथ सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली प्रमुख विकासशील अर्थव्यवस्था होगी** और उसी दौरान **वृद्धिशील वैश्विक ऊर्जा मांग 28 प्रतिशत से अधिक होगी।**
  - दोनों पक्षों ने वैश्विक आर्थिक विकास तथा ऊर्जा मांग में **तीसरे सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता**, **कच्चे तेल के आयातक** एवं **चौथे सबसे बड़े वैश्विक तेल शोधक** के रूप में **भारत** की महत्त्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया।
- बैठक में नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था तथा जलवायु परिवर्तन शमन के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों एवं पहलों को भी स्वीकार किया गया।
- भारत-ओपेक ऊर्जा वार्ता के तहत अगली उच्च स्तरीय बैठक वर्ष 2024 में भारत में आयोजित करने पर सहमति बनी।

पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (OPEC) क्या है?

- **पारिचय:**
  - पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (Organization of the Petroleum Exporting Countries-OPEC) एक स्थायी, अंतर-सरकारी संगठन है, जिसका गठन वर्ष 1960 में बगदाद सम्मेलन में ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब एवं वेनेज़ुएला द्वारा किया गया था।
    - इसका **मुख्यालय वियना, ऑस्ट्रिया** में है।
- **उद्देश्य:**
  - OPEC का उद्देश्य **सदस्य देशों के बीच पेट्रोलियम नीतियों का समन्वय एवं एकीकरण करना** है, ताकि पेट्रोलियम उत्पादकों के लिये **उचित व स्थिर कीमतें** सुनिश्चित की जा सकें; उपभोक्ता देशों को पेट्रोलियम की आर्थिक रूप से उचित तथा नियमित आपूर्ति की जा सके जिससे संबद्ध उद्योग में निवेश करने वालों को पूंजी पर उचित लाभ मिलेगा।
- **सदस्य देश:**
  - अल्जीरिया, अंगोला, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात तथा वेनेज़ुएला इसके सदस्य हैं।
  - **OPEC के सदस्य देश विश्व के लगभग 30% कच्चे तेल का उत्पादन करते हैं।**
    - **संगठन के अंतर्गत सऊदी अरब सबसे बड़ा एकल तेल आपूर्तिकर्त्ता है**, जो प्रतिदिन 10 मिलियन बैरल से अधिक तेल का उत्पादन करता है।

- **रिपोर्ट और आउटलुक:**
  - मासिक तेल बाज़ार रिपोर्ट, वार्षिक सांख्यिकीय बुलेटिन और विश्व तेल आउटलुक।
- **ओपेक प्लस:**
  - वर्ष 2016 में अमेरिकी शेल तेल उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के परिणामस्वरूप तेल की गिरती कीमतों के जवाब में **ओपेक ने 10 अन्य तेल उत्पादक देशों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये,** जिसे अब **ओपेक प्लस** के रूप में जाना जाता है।
    - ओपेक प्लस में अब अज़रबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कज़ाखस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, रूस, दक्षिण सूडान और सूडान के साथ 13 ओपेक सदस्य देश शामिल हैं।
  - **ओपेक प्लस देश संयुक्त रूप से विश्व के कुल कच्चे तेल का लगभग 40% का उत्पादन करते हैं।**

सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष वर्ष के प्रश्न

मेन्स:

प्रश्न. "वहनीय, विश्वसनीय, धारणीय तथा आधुनिक ऊर्जा तक पहुँच सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने के लिये अनिवार्य है।" भारत में इस संबंध में हुई प्रगति पर टिप्पणी कीजिये। (2018)